RNI No.: DELHIN/2004/13831 E-mail : Boltikhabrenews@gmail.com

हिन्दी साप्ताहिक

बोलती खबरें

दिल्ली से प्रकाशित व सभी राज्यों में प्रसारित | देश को चाहिए नई सोच...

वर्ष : 21 | अंक : 38 | मंगलवार, 15 अप्रैल से 21 अप्रैल 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : ₹ 5/-

विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह बना हरियाणा के विकास का साक्षी

विशेष कवरेज 'बोलती खबरें टीम'

नई दिल्ली। संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेशवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में लगभग 8469 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का शिलान्यास किया। इसके अलावा, यमुनानगर में 90 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास और लगभग 1069 करोड़ रुपये से निर्मित रेवाड़ी बाइपास का भी उद्घाटन किया।

समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कृष्ण लाल पंवार और श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा पावर जनरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) को दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई स्थापित करने की अनुमति दी गई। यह परियोजना यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 2×300 मेगावॉट इकाइयों वाले मौजूदा संयंत्र का विस्तार है। इस तीसरी इकाई के निर्माण के लिए 233 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने की समय सीमा तय की गई है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों के अंदर यानि मार्च, 2029 तक शुरू हो जाएगा। इस इकाई से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावॉट तक बढ़ जाएगी।

रेवाड़ी बाईपास का उद्घाटन:

रेवाड़ी बाईपास परियोजना को भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युटी मोड पर लगभग 1069 करोड़ रुपये से विकसित किया गया है। यह चार लेन का बाईपास रेवाड़ी शहर के चारों ओर बनाया गया है, ताकि शहर की ट्रैफिक भीड़ को कम किया जा सके। यह बाईपास कुल 14.4 किलोमीटर लंबा है। यह एन.एच.-352 जंक्शन से शुरू होकर नारनौल की दिशा में एन.एच.-11 से जुड़ता है। यह परियोजना रेवाड़ी शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने और नारनौल से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए सफर और भी सुविधाजनक और समयबद्ध होगा। बाईपास, रिंग रोड और अन्य अवसंरचना विकास के माध्यम से मौजूदा और प्रस्तावित दोनों कॉरिडोरों की दक्षता

बढ़ेगी, जिससे माल परिवहन व यातायात की सुगमता बढ़ेगी। वहीं, नारनौल से दिल्ली तक यात्रा भी सुगम होगी।

यमुनानगर में गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास:

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी द्वारा बी.पी.सी.एल. के सहयोग से यमुनानगर के मुकारबपुर में 90 करोड़ रुपये की लागत से गोबर-धन संयंत्र स्थापित किया

जाएगा। इस संयंत्र की कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन की वार्षिक क्षमता 2,600 मीट्रिक टन होगी। परियोजना मई 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। सी.बी.जी. संयंत्र में कृषि अवशेष, मवेशियों के गोबर और नगरपालिका के ठोस कचरे जैसे अपशिष्ट/बायोमास स्रोतों का उपयोग बायो-गैस बनाने के लिए किया जाएगा। इस प्लांट में सालाना 45,000 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक ढंग से निपटान किया जाएगा। साथ ही 36,000 मीट्रिक टन गाय के गोबर का उपयोग किया जाएगा। सी.बी.जी. बायोगैस का शुद्ध रूप है और सीएनजी का विकल्प है। इस प्लांट में बनी 2,600 मीट्रिक टन सी.बी.जी. से इतनी ही सीएनजी की बचत होगी। इस प्लांट में सालाना लगभग 10,000 मीट्रिक टन बायो-खाद का उत्पादन होगा। इस प्लांट से सालाना कार्बनडायऑक्साइड उत्सर्जन में 7,700 मीट्रिक टन की कमी आएगी। इससे कूड़े की खुले में डंपिंग और मीथेन गैस उत्सर्जन से छुटकारा मिलेगा और वायु प्रदूषण में कमी आएगी।

समारोह में सांसद श्री नवीन जिंदल, श्रीमती रेखा शर्मा, श्री रामचंद्र जांगड़ा और श्री कार्तिकेय शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सूचना एवं जन संपर्क विभाग की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिसार हवाई अड्डे पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि हरियाणा प्रदेश ने विकास का एक नया आयाम स्थापित किया है। सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी प्रदेश के विकास की गाथा का सटीक वर्णन करती है। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, परियोजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी भी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार की मुख्य योजनाओं और विकास के आंकड़ों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश के विकास की गति का अंदाजा प्रति व्यक्ति आय से लगाया जा सकता है। हरियाणा में 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 53 हजार 181 है जोकि वर्ष 2014 में केवल 1 लाख 37 हजार 770 होती थी। इसी प्रकार निर्यात की बात की जाए तो 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार 2 लाख 75 हजार 245 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है जोकि वर्ष 2014 में मात्र 68 हजार 32 करोड़ रुपए रहा है।

संपादकीय

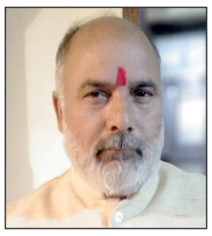

उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी मामले में ढीले रवैये पर की उप्र सरकार की खिंचाई

उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी मामलों से निपटने में उत्तर प्रदेश सरकार के ढीले रवैये की आलोचना करते हुए देशभर में ऐसे अपराधों की रोकथाम और त्वरित सुनवाई के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने सभी उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वे संबंधित निचली अदालतों में लंबित बाल तस्करी के मामलों की स्थिति के बारे में जानकारी लें। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करें कि संबंधित निचली अदालत छह महीने के भीतर मामले का निपटारा करे। साथ ही शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया कि न्याय में देरी को रोकने के लिए ऐसे मामलों की दिन-प्रतिदिन सुनवाई की जाए। शीर्ष अदालत ने यह कड़ी टिप्पणी तस्करी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, जिसमें कथित तौर पर उत्तर प्रदेश में एक दंपती को चार लाख रुपये में बच्चा बेचा गया था। दंपती कथित तौर पर एक लड़के की चाहत रखते थे और उन्होंने जानबूझकर चुराए गए बच्चे को स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत ने आरोपी को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उत्तर प्रदेश पुलिस की उनके ढीले रवैये के लिए आलोचना की। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति पारदीवाला ने टिप्पणी की, "यह अग्रिम जमानत रद्द करने का मामला है, लेकिन हमने बाल तस्करी के बड़े मुद्दे पर गहनता से विचार किया।"

उत्तर प्रदेश सरकार की निष्क्रियता पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने टिप्पणी की, "हम इस बात से पूरी तरह निराश हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कैसे निपटाया। कोई अपील नहीं की गई। अधिकारियों की कार्रवाई में मामले की गंभीरता नहीं दिखाई गई। आरोपी को स्पष्ट रूप से पता था कि बच्चा चोरी का था और फिर भी उसने उसे पाने के लिए चार लाख रुपये का भुगतान किया।"

न्यायालय के निर्देशों और टिप्पणियों से उम्मीद है कि जांच और न्यायिक कार्यवाही दोनों के संदर्भ में बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके में देश भर में बदलाव आएगा।

- अरुण कुमार हरदैनिया

एक समीक्षात्मक विवरण

निशा भास्कर
(शिक्षिका)
साधनगर, पालम कॉलोनी,
नई दिल्ली-45

किसी भी विधा को फलीभूत होने के लिए विषय की नवीनता और प्रयोगधर्मिता के पथ पर अग्रसर होना पड़ता है।

अभिनव इमरोज पत्रिका के अतिथि संपादक संदीप तोमर जी की चौबीस वर्ष की साहित्यिक साधना की झलक नवंबर माह 2024 के लघुकथा विशेषांक में परिलक्षित होती है। इस अंक में लघुकथाएं माणिकमाला की भांति दृष्टिगत होती है। एक-एक लघुकथा अपने संपूर्ण तत्व को समेटे हुए मुखर है। सभी रचनाएं अपनी काया और परिवेश से पाठक को आकर्षित करती है। इन चुनिंदा रचनाओं को पढ़कर अतिथि संपादक संदीप तोमर जी की सृजनात्मक पैनी दृष्टि स्वतः नजर आती है।

आजकल लेखन करना, लेखक बनना हर बुद्धिजीवियों का जैसे उद्देश्य बन गया है। सोशल मीडिया के द्वारा इस पैशन को नया राह भी मिला है। अच्छा भी है जहां व्यक्ति स्वयं को अभिव्यक्त कर पाता है। कुछ चीजें पठनीय और संग्रहणीय भी होती है। यह बात यहां इसलिए कहीं जा रही है क्योंकि यही हाल पत्र-पत्रिकाओं में छपने की दशा में भी है। सांझा संकलन पुस्तक या पत्रिका की विज्ञप्ति देखते ही रचनाकारों में होड़-सी लग जाती है। विधा को बिना जाने समझे सिर्फ और सिर्फ छपने की इच्छा से आकुल कतारबद्ध हो जाते हैं। विधा विहीन रचनाएं प्रेषित की जाती है। तब एक संपादक को अपना धर्म निर्वहन करना होता है। कौन सी सामग्री इस अंक के लिए उचित और अनुचित है। यहां संपादक का निष्पक्षभाव और पारदर्शिता ही मापदंड का कार्य करती हैं।

अभिनव इमरोज पत्रिका, लघुकथा विशेषांक में सभी चुनिंदा रचनाएं अपनी विधा के अनुकूल है। इस अंक में कई नव रचनाकारों से भी मुलाकात हुई है। विशेष बात यह है कि इस अंक में पूर्णतया संपादकीय धर्म का निर्वहन संदीप तोमर जी ने निभाया है। जिससे पूरी पत्रिका निर्बाधता से पढ़ी गई है। मात्रिक त्रुटियां, व्याकरणिक चिन्ह एवं संवादात्मक संवेग काफी सराहनीय है। इस अंक में नवीन प्रयोगधर्मी लघुकथाओं को प्रश्रय मिला है।

वरिष्ठ लघुकथाकार चंद्रेश कुमार छतलानी की लघुकथा 'जलेबियां गिरेगी तो कुत्ते लड़ेंगे ही' शीर्षक ही जैसे लघुकथा की आत्मा है। हालांकि मुझे लघुकथा के लिए इतना बड़ा शीर्षक नहीं सुहाता है। परंतु लघुकथा पढ़ने के बाद निष्कर्ष के रूप में यह शीर्षक जी को भा गया। पूनम चौहान जी की लघुकथा ष्मुस्कानष स्त्री की देहयष्टि और उसके स्वाभाविक वृत्ति को काम से जोड़कर देखना। पुरुष की मानसिक दुर्बल सोच पर जोरदार थप्पड़ है। शालिनी कपूर जी की 'हत्यारिणी' जैसे समस्त जीवन की रूपरेखा लेकर बैठी है। कमाल की बुनावट आत्मकथात्मक शिल्प वाह! स्त्री की लेखनी में संवेग और आवेश का जो सम्मिश्रण है वह 'मर्द' और 'ख्वाब' में दृष्टिगत होता है।

आदरणीय अशोक भाटिया जी का संस्मरण पढ़ना स्वयं को पढ़ने जैसा महसूस हुआ। 'प्रशंसा करने की प्रवृत्ति अभी तक विकसित नहीं हो पाई है।' इसके अंतर्गत लघुकथा की यात्रा के साथ निकट रचनाकारों के भावों का बेहतरीन प्रवाह देखने को मिलता है।

साहित्यिक क्षेत्र के लिए यह विडंबना ही है कि कोई रचनाकार अपने क्षेत्र से बंधा रह जाना चाहता है या अपने को क्षेत्र से बाहर देखना ही नहीं जानता। एक आलोचक से आलोचना सुनना रचनाकार के लिए भाग्य की बात है परंतु दूसरे रचनाकार से कटाक्ष या उपेक्षा महसूस करना दुर्भाग्य है। कुल जोड़कर यही कहा जा सकता है कि वह व्यक्ति कभी किसी की तारीफ नहीं कर सकता जो खुद से संतुष्ट नहीं है। 'प्राणरक्षकः चार लघुकथाएं इस अंक में चार चांद लगा दी है।' अशोक भाटिया जी की लघुकथाएं पढ़कर लघुकथा के तत्व से परिचित हुआ जा सकता है। साथ ही पौराणिकता का बोध भी होता है।

वीरेंद्र वीर मेहता द्वारा लघुकथा साहित्य में 'रोबोट का प्रयोग कितना सार्थक' के द्वारा कहानी व लघुकथा में प्रयोगात्मक व्यवहार और मशीनी तंत्र की ओर इशारा किया गया है। रोबोट का फिल-अप के तौर पर होता प्रयोग को विस्तार से बताया गया है। वरिष्ठ रचनाकार और समीक्षक आदरणीया मनोरमा पंत जी द्वारा निशा भास्कर के द्वारा रचित लघुकथा संग्रह 'बारिश के बूंदें का यथोचित समीक्षा प्रस्तुत की गई है। इस समीक्षा को पढ़कर प्रत्येक लघुकथा को पढ़ने की उत्कंठा पाठक वर्ग में उत्पन्न हो जाना संभव है।

साक्षात्कार कलम के अंतर्गत 'लघुकथा मेरा जुनून है' संतोष श्रीवास्तव जी से वरिष्ठ लेखिका डॉक्टर मिथिलेश दीक्षित जी की वार्तालाप के द्वारा लघुकथा विधा पर गहरा मंथन दृष्टिगत होता है। सुरेंद्र कुमार अरोड़ा, अनिल शूर आजाद, रशीद गौरी, पूजा अग्निहोत्री, डॉक्टर प्रदुम्न भल्ला, पवित्रा अग्रवाल, डॉक्टर संजय राय, सूरज प्रकाश, सरला मेहता, पूनम चंद्रलेखा, डॉ वर्षा महेश, डॉक्टर सुनीता फडनीश, मार्टिन जॉन, रश्मि लहर जी की लघुकथाएं इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। गीता चौबे गूंज द्वारा लघुकथा का स्वरूप दोहा विधा में बड़ा सुंदर बन पड़ा है। ज्योत्स्ना कपिल जी की आलेख के द्वारा लघुकथा विधा के प्रति सूक्ष्म दृष्टिकोण, अव्यक्त-व्यक्त भावनाओं के प्रति सजगता का महत्व बताया गया है।

'लघुकथा का फलक लघु नहीं है' यह एक संस्मरणात्मक आलेख है। आदरणीया अनीता रश्मि जी द्वारा लिखित सारगर्भित आलेख है। लघुकथा को अपनी पहचान बनाने के लिए किन-किन समिधाओं को साथ निभाना पड़ा। इसका विस्तारणीय विमर्श है।

देश के कोने-कोने से इस विधा के लेखकों की उपस्थिति इस अंक में निर्बाध रूप से अंकित है। दिलीप कुमार, सारिका भूषण, एकता अमित व्यास, ओम प्रकाश क्षत्रिय प्रकाश, उज्जवला तुपसुंदरे, डॉक्टर शबनम आलम, विजयानंद विजय, पंकज शर्मा, शील निगम, नेहा नरूका, भावना भट्ट, ज्योति स्पर्श, निरुपमा सिंह की लघुकथाएं अपनी कलेवर में अभिरंजीत है।

चलते-चलते अतिथि संपादक की एक लघुकथा 'पियक्कड़' के द्वारा समाज में स्वयं द्वारा रोपित उस नर्क की ओर इशारा किया है। जिसे पुरुष स्वयं निर्मित करता है और फिर उससे विलग रहने की भी सोचता है। लघुकथा का यह विशेष अंक नवीन और वरिष्ठ दोनों ही रचनाकारों के लिए संग्रहणीय और पठनीय है। आदरणीय वरिष्ठ लेखक संदीप तोमर जी लघुकथा के अलावा लेखन के अन्य विधाओं में भी पारंगत हैं। इनके द्वारा संपादित यह विशेषांक पढ़कर इनकी संपादकीय लेखनी की विशेषता भी देखने को मिली है। आपको इस पत्रिका के संपादन हेतु अनेकानेक बधाइयां और शुभकामनाएं।

अम्बेडकर संघर्ष समिति ने राज्य स्तरीय डॉ. अम्बेडकर जंयती समारोह का किया आयोजन

डॉ. अम्बेडकर जी ने किया आजीवन संघर्ष - डॉ. मनजीत दहिया

डॉ. मनजीत सिंह दहिया
प्रदेश मीडिया प्रमुख, भाजपा
भूजल संरक्षण विभाग हरियाणा।

रोहतक। हरियाणा की प्रख्यात सामाजिक संस्था हरियाणा अम्बेडकर संघर्ष समिति रजिस्टर्ड एवं भारतीय अनुसूचित जाति पिछड़ा एकता मंच की ओर से संयुक्त रूप से भारत रतन डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिवस बड़ी धूमधाम से समिति के प्रदेश कार्यालय में समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनजीत सिंह दहिया लाखन माजरा की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनजीत सिंह दहिया ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर अतुलनीय मेघावी, भाषाविद्, अर्थशास्त्री, विधिवेता, भारतीय संविधान के शिल्पकार थे जिन्होंने आजीवन संघर्ष करके पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान खुद बनाई। इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रख्यात समाज सेवी डॉ. मनजीत सिंह दहिया ने समिति पदाद्यिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्वांजलि दी और उनके आदर्शो को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। समिति की प्रदेश कोषाध्यक्ष कौशल्या देवी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जी ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन से यह साबित किया कि शिक्षा और जागरूकता से समाज की हर बाधा को पार किया जा सकता है। इस अवसर पर समिति के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज खटक चमारिया, ईश्वर सिंह, राजबाला, हरिओम, वकील चन्द वर्मा, मनोहर लाल चांदीवाल, अश्वनी कुमार, अनीता, नरेन्द्र, चन्द्रभान, कैलाशो देवी, धर्मपाल, करण सिंह, जोगिन्द्र, अजमेर, अनिल नान्दल, जितेन्द्र, प्रेम, मुन्नी देवी, सोनू, जयनारायण, कृष्ण, संजना, बलवान, रणधीर, दिलबाग सिंह, अजय सहित सैकड़ों समिति के कार्यकर्ताओं ने भी भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

वहीं भारतीय अनुसूचित जाति पिछड़ा एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी भूजल संरक्षण विभाग हरियाणा के प्रदेश मीडिया प्रमुख एवं इण्डियन पुलिस महासंघ एन.जी.ओ. के राष्ट्रीय महासचिव एवं पी.आर.ओ. डॉ. मनजीत सिंह दहिया लाखन माजरा अपने शुभचिंतकों के साथ भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा हरियाणा के प्रदेश सचिव डॉ. दिनेश शास्त्री एवं उनकी धर्मपत्नी आकांक्षा सिन्धु पुत्री श्रीमति अंगूरी देवी धर्मपत्नी रामनिवास सिंधु गांव मेहरड़ा तहसील जुलाना जिला जींद हरियाणा के विवाह उत्सव ईडन गार्डन नजदीक वीटा चौक रोहतक में पहुँचे और वर-वधु को आर्शीवाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और डॉ. दिनेश शास्त्री की माता श्रीमति मूर्ति देवी वं पिता श्रीरामकिशन चोपड़ा गांव खरकड़ा निवासी सुरेश चोपड़ा, नरेश चोपड़ा, मोहन चोपड़ा, गुलशन चोपड़ा, पवन चोपड़ा व समस्त चोपड़ा परिवार व सिंधु परिवार को विवाह उत्सव

की बधाई दी और डॉ. दिनेश शास्त्री व उनकी पत्नी आकांक्षा सिंधु के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनको उपहार देकर बधाई दी।

'सामाजिक समरसता में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका' विषय पर परिचर्चा का आयोजन

हिमांशु हरदैनिया
दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली। आज प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली में 'सामाजिक समरसता में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका' विषय पर भारत विकास परिषद, दिल्ली प्रान्त (उत्तर) के तत्वाधान में एक भव्य परिचर्चा का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय एवं कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग ने समाज निर्माण में शिक्षा व संस्कारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सामाजिक समरसता के बीज अंतर्निहित हैं। नई शिक्षा नीति को लेकर कहा कि इसके अच्छे परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न महापुरुषों के वक्तव्यों को उद्धृत करते हुए कहा कि हमें भारत की ताकत को पहचानने की जरूरत है। देश के बंटवारे को लेकर कहा कि देश के पढ़े-लिखे लोगों ने ही देश का बंटवारा कराया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के अधूरे सपनों को पूरा करने का पुरजोर कार्य हो रहा है। वर्ष 2047 तक सबका विकास के मुकाम को हासिल कर लिया जाएगा।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आदर्श कुमार गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दिनों डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई, जिनका आज के विषय से गहरा नाता है। अंबेडकर ने संविधान में सभी में एकता की भावना उत्पन्न करने के लिए इस विषय को जोड़ा। उन्होंने आगे भारतीय संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि एक हैं तो सेफ हैं। वहीं वक्फ कानून को लेकर बंगाल में हुई हिंसा पर कहा कि कानून का विरोध करना हो तो करें, लेकिन जिस प्रकार की हिंसा हुई वह गलत है।

भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन ने परिषद के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं सेवा-संस्कार आधारित दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत विकास परिषद के अंदर सेवा की भावना है, और समरसता का भाव जागृत करना ही परिषद का उद्देश्य है। उन्होंने आगे बताया कि परिषद का प्रत्येक सदस्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक भारतीय जीवन मूल्यों को पहुँचाने और सामाजिक समरसता के लिए प्रतिबद्ध है।

विशिष्ट अतिथि श्री कर्नल सिंह, राष्ट्रीय संयोजक संपर्क, भारत विकास परिषद एवं पूर्व निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक समरसता के लिए केवल शिक्षा नहीं, बल्कि लोगों की सोच में भी बदलाव की आवश्यकता है। वोटबैंक की राजनीति के लिए लोगों को बहकाया जा रहा है। आज के युवाओं को अपने रोल मॉडल को सही ढंग से चुनना होगा।

प्रो० बलराम पाणी, डीन ऑफ कॉलेजेस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षा प्रणाली की वर्तमान चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं को अपने संस्कारों पर भी काम करना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन प्लानिंग, प्रो. निरंजन कुमार ने विषय की पृष्ठभूमि रखी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविदों, समाजसेवियों, परिषद के पदाधिकारियों-सदस्यों और विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने प्रतिभागिता की।

पूर्व सीएम केजरीवाल ने विपक्ष पर कसा तंज,
कहा-हम आदर्श अपनाते हैं, बाकी दल सिर्फ अंबेडकर को फूल चढ़ाकर दिखावा करते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय में बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान केजरीवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ पार्टियां सिर्फ श्रद्धांजलि का दिखावा कर रही हैं, बाबा साहब के विचारों को अपनाने से कतराती हैं।

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और शहीद-ए-आजम भगत सिंह को अपना आदर्श माना है,हमने यह तय किया है कि उनके जीवन के संघर्ष से प्रेरणा लेंगे और उनके बताए हुए रास्ते पर चलेंगे। केजरीवाल ने कहा कि हम उनके संदेश के मुताबिक आगे बढ़ेंगे, उसी दिशा में हम पूरी कोशिश करते हैं, अपनी पार्टी को चलाने की और जहां-जहां हमारी सरकारें हैं, उन सरकारों को भी उसी सोच के साथ चलाने की।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम देखते हैं कि आज की राजनीति में कई पार्टियां और नेता बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने, माला पहनाने और फूल अर्पित करने का केवल एक झूठा दिखावा करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं इसे झूठा क्यों कह रहा हूं, मान लीजिए कि आपका बेटा है और आप उसे कहते हैं कि इस रास्ते पर चलो, लेकिन वह न तो उस रास्ते पर चलता है, न ही आपके कहे अनुसार कुछ करता, वह आपके हर निर्देश का उल्टा करता है, लेकिन रोज सुबह आपकी तस्वीर के आगे माला, फूल, धूप-दीप चढ़ाकर पूजा करता है, ऐसे में आप क्या करेंगे,उ से दो थप्पड़ मारेंगे कि जो मैं कहता हूं वो तो करता नहीं है, लेकिन मेरी पूजा करता है। यही स्थिति आज इन सभी पार्टियों और नेताओं की है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने बाबा साहब के साथ भी यही किया है, बाबा साहब ने जो संदेश दिया, जो विचार रखे, उस पर कोई नहीं चलेगा,उल्टा आचरण करेंगे, लेकिन रोज उन्हें फूल अर्पित करेंगे, पूजा का दिखावा करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि यह केवल एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है, उनके विचारों का पालन नहीं।

घर बनाने के नाम पर रिश्वत: दिल्ली पुलिस का ASI गिरफ्तार, थाना SHO देता स्पेशल डिस्काउंट; आठ लाख की थी डिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली में विजिलेंस ब्रांच की टीम ने पुलिस के एक एएसआई सुदेश को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। एएसआई के सिर पर मॉडल टाउन थाना एसएचओ का हाथ बताया जा रहा है। गलियों में घर की मरम्मत पर भी पुलिस के सिपाही पैसे लेने पहुंच जाते हैं।

दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच ने एक दिल्ली पुलिस के एएसआई को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। मॉडल टाउन थाने में तैनात एएसआई सुदेश को 2,00,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

इस मामले में मॉडल टाउन थाने के थानाध्यक्ष पवन मीणा की भी भूमिका सामने आ रही है। हालांकि, जिला पुलिस अधिकारियों का कहना है कि थानाध्यक्ष पवन मीणा कल यानि सोमवार को दोपहर बाद परमिशन लेकर छुट्टी पर गए थे।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इलाके में रहने वाले दिल्ली पुलिस के 68 भर्ती है। रिटायर इंस्पेक्टर अपने घर की मरम्मत करवा रहे थे। मरम्मत कराने की एवज में 8 लाख रुपये की मांग की जा रही थी।

थानाध्यक्ष ने विशेष डिस्काउंट देते हुए रकम को आधा कर दिया था। इस रकम को एएसआई जब लेने पहुंचा तो विजिलेंस ब्रांच ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उत्तर पश्चिम जिला डीसीपी भीष्म सिंह ने कहा है कि आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

Reg. 2085
RDS (TRUST) राष्ट्रीय दिव्यांग सेना
दिव्यांग, वृद्ध, विधवा, किन्नर, असंगठित मजदूर, किरायेदार व समाज से वंचित व्यक्तियों के हक की लड़ाई लड़ने वाला क्रांतिकारी संगठन।
पता: सी-1/384, गली नं. 19, हर्ष विहार, मण्डोली, दिल्ली-93
E-mail: hspatel897@gmail.com Mob: 9911497652

कलेक्टर ने किया सीवन नदी, सीटू नाले एवं भगवानपुरा तालाब का निरीक्षण

वर्षाकाल से पहले हटाया जाए नदी एवं नाले से अतिक्रमण - कलेक्टर

सयैद हमीदउल हसन नकवी
ब्यूरो चीफ, सीहोर।

सीहोर। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे सीवन नदी तथा सीटू नाले के गहरीकरण, साफ-सफाई के कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से सीवन नदी एवं सीटू नाले में आने वाले पानी के स्त्रोतों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सीवन नदी के गहरीकरण एवं साफ-सफाई के सबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भगवानपुरा डैम का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवंधन अभियान के तहत सीवन उत्थान समिति एवं जनसहयोग से सीवन नदी के उत्थान का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि सीवन नदी को प्रदूषण मुक्त करने के सभी विकल्पों पर विचार करते हुए प्रयास किए जाएं।

उन्होंने नदी का अवलोकन कर उन स्त्रोतों के बारे में जानकारी ली जिनसे दूषित जल आकर सीवन नदी में मिलता है और सीवन नदी के जल को प्रदूषित करता है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि नदी एवं नाले के जल ग्रहण क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को आगामी वर्षाकाल से पहले ही हटाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नदी एवं नाले पर बने जो स्टॉप डैम जर्जर स्थिति मे हैं तथा जिनसे पानी लीकेज होता है उनकी जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सीवन नदी में मिलने वाले सभी दूषित जल स्त्रोतों को चिन्हित कर उनके उचित निस्तारण के उपाय किए जाएं ताकि दूषित जल नदी में न मिले और सीवन नदी का जल स्वच्छ हो सके। निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर बालागुरू के. ने सीवन नदी के उद्गम स्थल भगवानपुरा डैम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भगवानपुरा डैम के वॉल्व से हो रहे लीकेज का अवलोकन किया और संबंधित इंजीनियर को निर्देश दिए कि तालाब का जलस्तर कम होने के बाद लीकेज वॉल्व की तुरंत मरम्मत की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका सीएमओ भूपेंद्र कुमार दीक्षित, सीवन उत्थान समिति के डॉ गगन नामदेव सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

क्रिकेटर शुचि उपाध्याय का इंडिया टीम में चयन.!

कन्हैया धारवी
ब्यूरो चीफ, मंडला

मंडला। BCCI ने आज श्रीलंका में होने वाले त्रिकोणी मुकाबले के लिये महिला भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा की जिसमे जबलपुर संभाग के मंडला जिले की बालिका क्रिकेट खिलाड़ी शुचि उपाध्याय का चयन हुआ हैं, श्रीलंका के कोलम्बो में आयोजित इस टूर्नामेंट में शुचि उपाध्याय बातोर लेफ्ट आर्म स्पिनर शामिल है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम 27 अप्रैल से 7 मई तक यह टूर्नामेंट कोलम्बो में खेलेगी..! विदित हो शुचि उपाध्याय इन दिनों देहरादून में नेशनल चैलेंजर ट्रॉफी खेल रही हैं।

इसके पूर्व नेशनल सीनियर वुमेन टूर्नामेनट में सर्वाधिक विकेट प्राप्त करने पर प्लेयर ऑफ सीरीज रह चुकी हैं..!

मंडला के रामलीला मैदान नाव घाट से गली क्रिकेट से अभ्यास करते हुए मंडला के स्टेडियम ग्राउंड में मेकल अकैडमी से प्रैक्टिस करने वाली शुचि उपाध्याय ने मंडला के युवा क्रिकेट प्लेयर्स के साथ ओपन टूर्नामेंट में अपनी फिरकी गेंदवाजी से लड़कों को मैदान से बाहर करने वाली इस बालिका क्रिकेटर को उनको कोच बसंत ठाकुर ,इंद्रदेव क्ब मंडला के सचिव अजय मिश्रा, इम्तियाज अली, ज्ञानेंद्र झा, ललित जोशी, अनिल सोनी, अतुल गोहे, मनोज फिलस्पॉस, इंद्रदेव भारतीय, हितेंद्र झा, निशांत झा, सिद्धू सब्जी वाला, शिवांशु तिवारी, मनु दुबे, प्रांजल सिरसाम-सहित सभी खेल प्रेमियों ने शुचि सहित उपाध्याय परिवार को शुभकामनाएँ बधाई प्रेक्षित की।

कब्र के नीचे भी सुकून नहीं!

सुरेन्द्र अग्रवाल।

सारी दुनिया जानती है कि किसी की कब्र पर कोई इमारत अथवा घरौंदा तामीर नहीं किया जा सकता है। छतरपुर नगर में मध्यप्रदेश शासन के नाम से दर्ज एक कब्रिस्तान में दो दर्जन दुकानों का निर्माण कर उन्हें करोड़ों रुपए में बेच दिया गया और सब तालियां बजाकर खुशी मनाते रहे।

चैन से सो रहा था मैं ओढ़े कफन मजार में यहां भी सताने आ गये किसने पता बता दिया।

मध्यप्रदेश अजब है। यह केवल एक किंवदंती नहीं है। छतरपुर उससे भी आगे है, जहां सबकुछ संभव है। नगर में अवैध निर्माण की जब बात सामने आती है तो चारों ओर मुर्दानगी छा जाती है।चाहे बेसमेंट का मामला हो,चाहे सरकारी नाले की धारा मोड़ कर अवैध प्लाटिंग का मामला हो, चाहे तालाबों पर अतिक्रमण हो और चाहे सरकारी भूमि पर अवैध रूप से मंदिर और दुकानों का निर्माण हो। यहां सबकुछ मुमकिन है। राजनीतिक दखलंदाजी ने प्रशासन को पंगु बना दिया है। तत्कालीन कलेक्टर राहुल जैन ने सांतरी तलैया का गहरीकरण करवाया था। आज हालत ज्यों के त्यों हैं। उन्होंने ग्वाल मगरा तालाब के किनारे तमाम पुराने मकानों को ध्वस्त करवा दिया था, लेकिन सालों जिला प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया तो प्रभावित परिवारों ने अब पक्का निर्माण कर लिया है।भू परिवर्तन की खामी के कारण कलेक्टर राहुल जैन ने सदर बाजार की सभी दुकानें भी ध्वस्त करवा दीं थीं।अल्प संख्यक मोर्चा के एक पदाधिकारी ने महाराजा कालेज के सामने वाले मैदान में सैकड़ों दुकानें बना कर तान दी थी, जिसे निर्माण के दौरान नहीं, बल्कि काफी महीनों बाद प्रशासन ने नेस्तनाबूद कर दिया था। फिर कब्रिस्तान पर निर्मित दुकानों पर रहम क्यों किया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने नया वक्फ अधिनियम लागू कर दिया है।देश भर में वक्फ संपत्तियों की वैधानिकता की जांच की जा रही है। छतरपुर नगर में स्वयं मुस्लिम समाज ने कब्रिस्तान पर दुकानों के अवैध निर्माण का प्रतिकार किया है, उसके बाद भी यह दुकानें सीना तान कर नेताओं, अभिनेताओं, प्रशासन को चिढ़ा रही हैं। देखो हमारी ताकत,हम सब का जमीर खरीदने की ताकत रखते हैं।

एक और संगीन मामला है,जिसे कालांतर में मैं अनेक बार सामने ला चुका हूं। छतरपुर नगर के नागरिक अपनी याददाश्त पर थोड़ा जोर लगा सकते हैं। वर्तमान डीआईजी बंगला, पहले डीएफओ का निवास हुआ करता था। एसपी बंगला और वर्तमान डीआईजी बंगला में दो दो गेट हुआ करते थे। दोनों बंगलों के मध्य एक चार बाई चार की प्राचीन मढिया हुआ करती थी,जो वर्तमान में विशाल परिसर बन गया है।जब सरकारी अफसरों के बंगलों की छाती पर यह अवैध निर्माण किया जा सकता है तो कब्रिस्तान क्या चीज है। ताज्जुब होगा कि जब भी जवाहर रोड के चौड़ीकरण का मुद्दा उठाया जाता है अथवा नाली निर्माण की बात आती है तो तथाकथित मंदिर के इस भाग को छोड़ दिया जाता है। जब सुप्रीम कोर्ट यह अनेक बार स्पष्ट कह चुका है कि मुख्य सड़कों पर, हाइवे पर कोई भी पूजा स्थल नहीं होना चाहिए। यदि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर ऐसे स्थलों का निर्माण किया गया है तो उसे सख्ती के साथ बेदखल किया जाए। लेकिन ऐसा लगता है कि छतरपुर जिले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश प्रभावशाली नहीं होते। इसी प्रकार वन विभाग के बगल में कितने पूजा स्थलों का निर्माण किया जा चुका है। शुरुआत में ऐसे निर्माणों पर कोई ध्यान नहीं देता और यदि किसी अधिकारी ने जुर्रत की तो तत्काल फोन घनघनाने लगते हैं।

वक्फ अधिनियम में यह स्पष्ट है कि कब्रिस्तान की भूमि पर कोई भी व्यवसायिक गतिविधियां संचालित नहीं की जा सकती हैं और न दुकानों का निर्माण किया जा सकता है, फिर यहां पर क्यों?

किसी परिचय के मोहताज नहीं है- अधिवक्ता राजेंद्र मिश्रा

आदर्श बार एसोसिएशन बिन्दकी से पहली बार अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे हैं मिश्रा जी

अमित कुमार 'देव'
विधि-संपादक

आइए इनके बारे में जानते हैं...

बिन्दकी/फतेहपुर। हमारे संवाददाता द्वारा जब अधिवक्ता राजेंद्र मिश्रा के बारे में जानना चाहा तो उन्होंने बहुत ही सरल स्वभाव में अपना जीवन संवाददाता के सामने रखा लगा। ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगा कि वह एक अधिवक्ता की भांति जवाब दे रहे ऐसा लग रहा था जैसे वह समाज के सेवक है उनके अंदर जो सेवाभाव नजर आया वो सेवा भाव पिता की भाँति महसूस हुआ जो अपने बच्चे को अच्छी राह पर ले जाकर आगे बढ़ाने का प्रयत्न कर रहे हैं। इस तरह का एक बेमिसाल व्यक्तित्व है मिश्रा जी का। जो स्वार्थो में नहीं बेहतर सामाजिक व्यवहार में जीना पसंद करते हैं। तहसील बिन्दकी के रहने वाले अधिवक्ता राजेंद्र मिश्रा। अधिवक्ता हित पर हमेशा चर्चा करते रहते हैं और अगर इस बार अधिवक्ताबंधुओं ने मौका दिया तो अधिवक्ताओं को कई सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का काम करेंगे व सर्राफा व्यापारी स्व० गनेश मिश्रा के बेटे है जो बिन्दकी नगर के हजरतपुर ठठराही के रहने वाले हैं। मिश्र जी का जीवन अलग परिस्थितियों में रहा। वह परिवार पर आश्रित थे। बाल अवस्था और कष्टों के साथ रहने के बाद भी उनके अंदर समाज को बेहतर बनाने व सही दिशा में ले जाने का जज्बा था और वो आगे बढ़ते रहे।

वही मिश्रा जी की जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों के आधार पर 05 जनवरी

1966 ई० है जिसके अनुसार इस समय मेरी आयु लगभग 59 वर्ष है और मेरी शैक्षिक योग्यता में बीएससी, बी.एड., , एल.एल.बी. है। वही प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय ठाठराही बिन्दकी से की। उसके बाद हाइस्कूल और इण्टर दयानन्द इण्टर कॉलेज बिन्दकी से, बीएससी क्राइस्ट चर्च महाविद्यालय कानपुर, बीएड कानपुर उसके बाद 1992 में एलएलबी की डिग्री हासिल की और समाज को बेहतर दिशा दिखाने के लिए पर्याप्त है। एक पढ़े-लिखे व्यक्तित्व का व्यक्ति समाज में फैली हुई विडम्बना पर चिंता जताया और समस्याओं पर हमेशा आवाज उठाने के लिए अधिवक्ता बनकर लोगों के साथ खड़े हैं।

वही 1992- 93 में राजस्व परिषद लखनऊ में वकालत शुरू की उसके बाद 1994 ई० में एक अधिवक्ता के रूप में तहसील बिन्दकी, जनपद फतेहपुर में समाज सेवा का कार्य नि:स्वार्थ भाव से करना शुरू किया। जो कि सराहनीय कदम है। यहाँ पर सोचने वाली बात है कि अगर कोई शानदार व्यक्तित्व, सम्मानित ब्राम्हण, प्रतिष्ठित, व्यहवारिक निष्ठावान ब्राम्हण है और इस बार आदर्श बार एसोसिएशन बिन्दकी में पहली बार अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे हैं। अगर अधिवक्ता साथियों ने इस बार मौका दिया तो शासन और बार काउंसिल की जितनी भी योजनाओं होगी वो बिन्दकी बार और अधिवक्ताओं को मिलेगी।

मिश्रा जी के परिवारिक ढांचा जाना तो बहुत ही उदार वादी पारिवारिक वातावरण है। इनके पिता गनेश मिश्रा प्रतिष्ठित सर्राफा व्यापारी के रूप में चर्चित तथा क्षेत्र के हर जाति, धर्म व युवा वर्ग में सम्मानित रूप में दूर दूर तक जाने जाते हैं। मुझे गर्व है पिता पर जिनके मार्गदर्शन में मुझे हर प्रारूपों पर मजबूत बनाया है। पिछले लगभग 31 वर्षो से बिन्दकी तहसील में अधिवक्ता के रूप में निस्वार्थ रूप से काम कर रहा हूं और अगर इस बार हमारे अधिवक्ता बधुओं ने साथ दिया तो अधिवक्ताओं हितों में बहुत कुछ काम करना है जो अभी तक किसी भी अध्यक्ष ने नहीं किया होगा।

असम में चल रही राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा

असम। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम (एनएचआईडीसीएल) के प्रबंध निदेशक डॉ. कृष्ण कुमार से मुलाकात की। इस बैठक में, उन्होंने असम में चल रही राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की और इन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का अनुरोध किया। इन परियोजनाओं में शामिल हैं...

- धुबरी-फुलबारी 4-लेन पुल परियोजना: इस परियोजना पर चर्चा की गई, जो ब्रह्मपुत्र नदी पर 19.28 किमी लंबा 4-लेन पुल होगा, जो धुबरी, असम और फुलबारी, मेघालय को जोड़ेगा।

- राजमार्ग परियोजनाओं में तेजी: मुख्यमंत्री ने डॉ. कुमार से चल रही राजमार्ग और पुल परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का अनुरोध किया, जिसमें गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेस वे और नुमलपहंती गोहपुर जल सुरंग परियोजना शामिल है।

- नामरूप उर्वरक संयंत्र: मुख्यमंत्री ने राजत कुमार मिश्रा के साथ नामरूप में नए उर्वरक संयंत्र के संबंध में चर्चा की, जिसे हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 10,601. 40 करोड़ रुपये है।

- क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के प्रयास: इन बैठकों का उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और यात्रा के समय को कम करने के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाना है

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने उर्वरक सचिव राजत कुमार मिश्रा से भी मुलाकात की और नामरूप में नए उर्वरक संयंत्र के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BVFCL) में ब्राउनफील्ड अमोनिया कॉम्प्लेक्स के निर्माण को समय पर पूरा करने के लिए प्रयास जारी हैं।

इस परियोजना को हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 10,601.40 करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने इंडिया ग्लोबल फोरम में प्रस्तुत किया विकास का रोडमैप

अगले पांच वर्षों में राज्य का संतुलित विकास दिखाई देगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र में निवेश के लिए बिना किसी बाधा के सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य के सभी क्षेत्रों में निवेश हो सके, इसके लिए एक सक्षम ईकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसलिए आने वाले पाँच वर्षों में राज्य के सभी भागों का संतुलित विकास स्पष्ट रूप से दिखाई देगा, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

मुख्यमंत्री फडणवीस बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित जिओ वर्ल्ड सेंटर में आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम- नेक्स्ट 25' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर इंडिया ग्लोबल फोरम के संस्थापक मनोज लढवा, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के महानगर आयुक्त संजय मुखर्जी, उद्योग विभाग के सचिव पी. अन्बलगन, तथा उद्योग क्षेत्र से जुड़े प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में नहीं होगी कुशल मानव संसाधन की कमी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में नए निवेश अवसर निर्मित किए जा रहे हैं, साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन को सपोर्ट करने वाली सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र में भी महाराष्ट्र देश में अग्रणी है। राज्य में पहले से ही कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां मौजूद हैं।

उद्योगों को आवश्यक कुशल मानवबल प्रदान करने के लिए एक "कौशल विश्वविद्यालय" काम कर रहा है, जिससे राज्य में कौशल की कोई कमी नहीं रहेगी। इसके अलावा, राज्य सरकार का ध्यान हरित (ग्रीन) और स्मार्ट प्रौद्योगिकियों पर आधारित उद्योगों पर भी है।

ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में MMR का महत्वपूर्ण योगदान

मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) का महाराष्ट्र को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ा योगदान रहेगा। अकेले MMR में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था खड़ी करने की क्षमता है, इसलिए इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुंबई को फिनटेक कैपिटल कहा जाता है और नवी मुंबई में "तीसरी मुंबई" विकसित की जा रही है। वहां एज्युसिटी और इनोवेशन सिटी बनाई जा रही है। एज्युसिटी में दुनिया की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी आने को इच्छुक है, और 5 यूनिवर्सिटी अंतिम चरण में हैं।

इसके अलावा, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जल्द शुरू होने वाला है, और अटल सेतु (मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक) के माध्यम से हवाई अड्डे तक कनेक्टिविटी भी बेहतर हुई है।

देश का सबसे बड़ा बंदरगाह वाढवण में विकसित किया जा रहा है। इसे समृद्धि महामार्ग से जोड़ा जाएगा, जिससे इस क्षेत्र में "चौथी मुंबई" के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ेंगे।

राज्य के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान

MMR के साथ-साथ राज्य के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर

भी ध्यान दिया जा रहा है: पुणे में ऑटोमोबाइल उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है। छत्रपति संभाजीनगर में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग हब के रूप में उभर रहा है। गडचिरोली भारत के नए स्टील हब के रूप में विकसित हो रहा है। विदर्भ क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन का विस्तार हो रहा है। समृद्धि महामार्ग से 15 जिलों के किसानों और उद्यमियों को लाभ मिलेगा। प्रस्तावित शक्तिपीठ मार्ग से मराठवाड़ा को बढ़ावा मिलेगा। शिर्डी, पुणे और नागपुर में हवाई अड्डों का निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य को सूखा-मुक्त बनाने के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रुपये के चार नदी जोड़ परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। इसके अलावा विदर्भ में नहर प्रणाली के माध्यम से सिंचाई के लिए प्रोजेक्ट भी तैयार किया जा रहा है।

राज्य के 85% एमओयू हुए कार्यान्वित

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए 85% सामंजस्य करार (MoUs) पहले ही कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं, और बचे हुए 15% MoUs के लिए सरकार विशेष ध्यान दे रही है। जल्द ही वे भी मूर्त रूप लेंगे।

राज्य सरकार भूमि आवंटन, परवाने (लाइसेंस) तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं देने का कार्य तीव्रता से कर रही है, ताकि उद्योगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

एक राष्ट्र, एक चुनाव से ही देश में आएगी राजनीतिक स्थिरता, विकास को मिलेगी गति- सीएम योगी

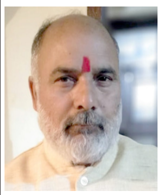

अरुण हरदैनिया
संपादक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी पसंद का जनप्रतिनिधि चुनना जनता का अधिकार है, लेकिन बार-बार चुनाव जनता पर अनावश्यक बोझ डालता है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक अस्थिरता को न सिर्फ जन्म देता है बल्कि देश के अंदर विकास की संभावनाओं को बाधित करता है और सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता कभी भी देश को संप्रभुता संपन्न और विकसित देश की परिकल्पना को साकार करने में सहभागी नहीं बन सकती है। बार-बार का इलेक्शन देश और प्रदेश की जीडीपी को प्रभावित करता है। विकास के लिए चालू योजनाओं में बैरियर का काम करता है और लोकतंत्र के प्रति लोगों के आकर्षण को भी कम करता है। सीएम योगी सोमवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वन नेशन वन इलेक्शन' विजन को साकार करने की आवश्यकता है, जो 2019 में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा अनावरण के दौरान घोषित हुआ था। सीएम योगी ने कहा कि यह विचार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का भी था, जिन्होंने राजनीतिक स्थिरता को सुशासन, सुरक्षा और विकास की पहली शर्त माना था।

सीएम योगी ने कहा कि 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए, लेकिन कांग्रेस की अंदरूनी टूट के बाद यह प्रथा समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि 1967 के बाद सरकारें भंग की गईं, राष्ट्रपति शासन लगा और राजनीतिक अस्थिरता ने देश को भटकाया। 1980 के दशक में भी यह मुद्दा उठा, लेकिन आगे नहीं बढ़ सका। अब पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी समिति की सिफारिशों और जनजागरण के जरिए इसे 2034 तक लागू करने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि विधानसभाओं के कार्यकाल को समायोजित कर एक साथ चुनाव संभव हों, जिससे 3.5 से 4.5 लाख करोड़ रुपये के सालाना खर्च को विकास कार्यों में लगाया जा सके।

सीएम योगी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा, खासकर 2017 से पहले की स्थिति को याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर जनपद में एक समानांतर सरकार चलती थी, जो कानून और संवैधानिक प्रोटोकॉल की परवाह नहीं करती थी। संसाधनों पर लूट और माफियाराज उनका जन्मसिद्ध अधिकार बन गया था। उन्होंने कहा कि इस अस्थिरता ने प्रदेश को देश की सातवीं अर्थव्यवस्था तक पहुंचा दिया, जबकि 1947 में यह राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। सीएम योगी ने कहा कि माफिया और गुंडागर्दी ने प्रदेश के विकास को बाधित किया, और पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 से पहले देश भी इसी अस्थिरता का शिकार था, जिससे विश्वास और पहचान का संकट पैदा हुआ। लेकिन आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, और उत्तर प्रदेश 8 साल में प्रगति के पथ पर है। यह राजनीतिक स्थिरता का परिणाम है। उन्होंने माफिया और अराजकता को बढ़ावा देने वाले तत्वों को 'लोकतंत्र विरोधी' बताते हुए कहा कि ये लोग बार-बार चुनाव से फायदा उठाते हैं।

सीएम ने महाकुंभ 2025 का जिक्र कर अपनी सरकार की उपलब्धियों को सभी के सामने रखा। उन्होंने कहा कि 13 से 26 जनवरी 2025 के बीच प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ, जो हजारों साल की हमारी विरासत का प्रतीक है, ने दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए, जो लोकतंत्र का सबसे बड़ा महोत्सव बन गया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने इस आयोजन को उपेक्षित रखा। 2007 और 2013 में अव्यवस्था और गंदगी थी। योगी ने बताया कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, अरुणाचल, मणिपुर, जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड तक के लोग आए। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने दुष्प्रचार किया, लेकिन जनता ने इसे नकार दिया। लोग पैदल चलकर त्रिवेणी स्नान के लिए आए।

सीएम योगी ने लोगों से 'वन नेशन वन इलेक्शन' के समर्थन में जनजागरण की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्ष दुष्प्रचार करेगा, लेकिन हमें जवाब देना चाहिए कि 'देश हमारा है, विकास हमारा है, राजनीतिक स्थिरता हमारी जरूरत है।' उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा बढ़ानी होगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि बार-बार चुनाव से 3.5 से 4.5 लाख करोड़ रुपये का बोझ जनता पर पड़ता है, जो विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। 2034 तक एक साथ चुनाव का लक्ष्य है, जिसमें कार्यकाल समायोजन और मध्यावधि चुनावों पर रोक होगी।

इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, एमएलसी अनूप गुप्ता, महेन्द्र सिंह, अवनीश कुमार समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

'क्यों लौटूं मैं वापस', होने वाली सास संग भागे दामाद ने दिया ऐसा हिंट, सुनकर पिता के पैरों तले खिसक गई जमीन

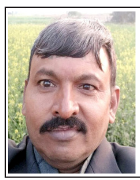

रमा शंकर
विशेष संवाददाता, दिल्ली

दिल्ली। अलीगढ की बहुचर्चित सास-दामाद की लव स्टोरी में अभी तक दोनों फरार हैं। पुलिस मुस्तैदी से उन्हें तलाश रही है। लेकिन दूल्हे ने भागने के बाद अपने पिता को फोन पर एक बात कही थी, जो कि काफी अटपटी है. चलिए, जानते हैं, क्या कहा था दूल्हे ने ऐसा... ***"क्यों लौटूं मैं वापस..., होने वाली सास संग भागे दामाद ने दिया ऐसा हिंट, सुनकर पिता के पैरों तले खिसक गई जमीन"***

6 अप्रैल को हुई थी राहुल से पिता की बात

अलीगढ़ में दामाद के साथ भागी सास कहां है? ये सवाल सभी के जहन में है। न ही सास और न ही दामाद का अभी तक कुछ पता लग पाया है। इस बीच Tv9 भारतवर्ष की टीम ने फरार दूल्हे राहुल के परिवार से बात की तो ऐसी बात पता चली जिससे मामले में कुछ अटपटा और खौफनाक सा होने का संकेत मिल रहा है। दरअसल, जब दूल्हा राहुल अपनी होने वाली सास के साथ 6 अप्रैल को भागा था तो अंतिम बार उसकी अपने पिता से बात हुई थी।

दूल्हे के रिश्तेदार बिशंभर की मानें तो दूल्हे ने अपने पिता से कहा था- जब मेरी सास ही नहीं रही तो मैं क्यों वापस लौटूं. फिर उसने फोन काट दिया था। ये राहुल के साथ उनकी अंतिम बात थी। इसके बाद से न ही राहुल और न ही उसकी होने वाली सास का कुछ

अता पता है।

पुलिस ने जब दोनों के फोन की लोकेशन ट्रेस की तो वो उत्तराखंड के रुद्रपुर की आई। लेकिन यहां अभी तक पुलिस को दोनों का पता नहीं लग पाया है। वहीं, दूसरी तरफ राहुल ने होने वाले ससुर जितेंद्र से कहा था- 20 साल तुम रह लिए ने उसके (सास) साथ। अब उसे भूल जाओ। जब जितेंद्र ने कहा कि मेरी उससे बात करवाओ, तो राहुल ने फोन काट दिया।

'ताबीज बांध गई थी', सास संग भागे दामाद के पिता ने लगाया वशीकरण का आरोप

इन दोनों बातों के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे मामले में कुछ सस्पेंस है। क्या सास के साथ कुछ अनहोनी हो गई है? राहुल की बातें काफी अटपटी हैं, जो कि उसने अपने पिता और होने वाले ससुर से कीं। फिलहाल, पुलिस राहुल और उसकी होने वाली सास दोनों की तलाश कर रही है। देखना होगा कि कब दोनों पकड़ में आते हैं।

दोनों परिवारों ने करवाया मामला दर्ज

जहां एक तरफ दूल्हे के पिता ने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वहीं, दुल्हन और उसके पिता ने भी थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस की टीमें मुस्तैदी से दोनों को तलाश रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। दोनों गिरफ्त में जरूर आएंगे।

शादी से 9 दिन पहले भागे दोनों

मामला मामला थाना मंडराक क्षेत्र के गांव मनोहरपुर का है। यहां जितेंद्र की बेटी शिवानी की शादी 16 अप्रैल को राहुल के साथ होनी थी। लेकिन शादी से 9 दिन पहले ही राहुल अपनी होने वाली सास के साथ भाग गया। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की तो दोनों की लास्ट लोकेशन रुद्रपुर आई। यहां राहुल पहले नौकरी करता था। जब पुलिस वहां पहुंची तो उनका पता नहीं लग पाया। फिलहाल, दोनों की तलाश जारी है।

भारत की राजनीति में परिवर्तन के नये मानदंड स्थापित करती भाजपा

रजनीश अग्रवाल,
प्रदेश मंत्री
मध्यप्रदेश भाजपा।

भाजपा की राजनीतिक यात्रा 1980 से प्रारंभ होकर 45 वर्ष की हो रही है इन वर्षों में भाजपा ने एक राजनीतिक दल के रूप में सरकार में हो या विपक्ष में राजनीति में ट्रेंड सेट करने का कार्य किया है। इन 5 दशकों में भाजपा भारत की राजनीति में केंद्र बिंदु बन गई है। भाजपा पहली ऐसी देशज पार्टी है जिसने राजनीति के अपने मानदंड स्थापित किए हैं। राजनीतिक दल के रूप में उसकी अपनी एक विशिष्ट कार्य पद्धति है। जब कांग्रेस ही राजनीति का पर्यायवाची बन चुकी थी तब राजनीति के ताने-बाने को नए सिरे से बुनने फिर उसे स्थापित करने का कार्य भाजपा ने किया है। भारत की राजनीति में भाजपा द्वारा आमूलचूल परिवर्तन लाने का कार्य लगातार जारी है।

राष्ट्र प्रथम ही हमारी राजनीति का ध्येय

भारतीय जनता पार्टी के लिए भारत माता की जय यह मात्र कोई नारा नहीं है बल्कि यह हमारे कार्य की प्रेरणा है। भारत की जय हो विजय हो। एक वैभवशाली, समृद्धिशाली, सक्षम और समर्थ भारत का निर्माण राजनीति के माध्यम से करने के लिए भारतीय जनता पार्टी जुटी है। भारत की राजनीति में आज यह विचार केंद्र बिंदु बन चुका है।

अब सेना के द्वारा जीते हुए युद्ध, भारत टेबल पर नहीं हारता। भारत की नीति और निर्णय भारत की आवश्यकता के अनुसार भारत का नेतृत्व तय करता है, किसी विदेशी शक्ति से संचालित नहीं होता। किसी परिवार के हित के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र के हित के लिए जो उचित और उपयुक्त है वही निर्णय लिया जाता है। भाजपा के इस भाव को जनता ने आत्मसात किया है क्योंकि यह जनता अर्थात पूरे देश की ही भावना की अभिव्यक्ति भाजपा की है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 एवं 35। की समाप्ति, पूर्वोत्तर राज्यों का लगातार विकास और देश की मुख्य धारा से जुड़े रखने का प्रयास, आतंकवादी और अलगाववादी सगठनों पर कानूनी शिकंजा, नक्सलवाद की समप्ति की ओर तेजी से बढ़ते कदम भाजपा की विशेषता बन गए हैं।

टुकड़े-टुकड़े गैंग जो षडयंत्र पूर्वक देश को बांटना चाहती है और उनको राजनीतिक संरक्षण देने का कार्य कुछ दल करते हैं। उन दलों से सामना करना हमारा राजनीतिक ही नहीं बल्कि एक नागरिक कर्तव्य भी है। भाजपा लगातार जनता को जागृत कर रही है यही कारण है भारत की एकता, अखंड़ता और संप्रभुता को चुनौती देने वाले व्यक्ति या संगठन और उन्हें राजनीतिक रूप से पालने पहुंचने वाले दल आज लगातार जनता द्वारा नकारे जा रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा हमारा पहला कर्तव्य

भारतीय जनता पार्टी ने एक राजनीतिक दल के तौर पर भी और सरकार में आने पर भी सदैव राष्ट्रीय सुरक्षा अपना पहला कर्तव्य माना है। भारत की सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं बल्कि हर आक्रमण का प्रतिकार तत्परता से और जोरदार ढंग से किया। जिन पड़ोसी देशों ने भारत की अखंड़ता को आघात पहुंचाने की चेष्टा की उसका उससे ज्यादा ही वेग से उत्तर दिया। आज का भारत घर में घुस कर मारने वाला भारत बना है। चीन की सीमा पर भारत की सेना मोर्चे पर डटी है, देश की रक्षा कर रही है। हमारी सरकार ने सेना की सहायता के लिए सड़क,पुल पुलिया तेजी से बनाए हैं। जो आजादी के बाद सेना की मांग पर भी कांग्रेस की सरकारों ने नहीं बनाए। सर्जिकल स्ट्राइक एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाकिस्तान को करारा जवाब हमारी सेना ने दिया है। सीमा पर बसे गांव हो या हमारी सेना के जवान भारत सरकार और भाजपा ने सदा ही उनके सम्मान और समृद्धि की चिंता की है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता के साथ ही भारत ने विभाजन की विभीषिका, नरसंहार ही नहीं झेला बल्कि कांग्रेस के कार्यकाल में स्वतंत्र भारत की एक लाख वर्ग किलोमीटर से ज्यादा भारत भूमि दूसरे देशों के कब्जे में हो गई। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की सोच कई बार उजागर हो चुकी है। देश में आतंकवाद अब बीते दिनों की बात हो चुकी है। अलगाववाद और नक्सलवाद को लगातार कुचला जा रहा है। भारत के गृहमंत्री माननीय अमित शाह जी ने संकल्प लिया है कि मार्च 2026 तक देश से पूरी तरह नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा।

विकासवादी राजनीति

हम सब ने कांग्रेस के नेताओं से यह सुना है कि चुनाव जुगाड़ से जीते जाते है, विकास से नहीं। जुगाड़ की राजनीति और बंटाधार की राजनीति को जनता ने बुरी तरह से नकार कर भाजपा की विकास और सुशासन की राजनीति को स्वीकारा। भाजपा ने डिलीवरी और परफॉर्मेंस की राजनीति को समाज में स्थान दिया है। विकास,सुशासन और सेवा के प्रति भाजपा की सरकारें खरी उतरी हैं। बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ ही नागरिकों के गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए भाजपा जानी जाती है। कांग्रेस शासित बीमारू राज्य से आज मध्यप्रदेश तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है। वही हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर,अंतरिक्ष विज्ञान में सिद्ध, नित नए आविष्कार, शोध और अनुसंधान को बढ़ावा भारत की पहचान बन रहे हैं। चंद्रयान और मंगलयान से भारत के वैज्ञानिकों की जोरदार सफलता सिद्ध हुई है।

गरीब कल्याण की राजनीति

दशकों से गरीबी हटाओ का नारा कांग्रेस और कांग्रेस की सरकारों द्वारा दिया जाता रहा। गरीबों की संख्या भी बढ़ती रही। भाजपा की सरकार आने के बाद 25 करोड़ गरीब गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार गरीब कल्याण की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। भाजपा द्वारा अंत्योदय दरिद्र नारायण की सेवा गरीब कल्याण यह मात्र भाषण के विषय नहीं रहे बल्कि राजनीति में आचरण और सरकारों में नीति निर्माण का आधार बने हैं। गरीबों का जीवन स्तर उठाने के लिए निःशुल्क राशन, पक्का मकान, पक्का शौचालय, पढ़ाई,लिखाई दवाई से लेकर हर जरूरत पर सरकार मदद के लिए तत्पर रहती है। गरीबों के लिए रोजगार के अवसर मात्र मजदूरी नहीं बल्कि मुद्रा योजना हो या रेहड़ी पटरी वालों के लिए विशेष लोन की व्यवस्था हो सरकार ने की है। छोटे से छोटे किसान के पास भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि उसके खाते में जा रही है।

महिला सशक्तिकरण

भारत की राजनीति में महिलाओं को स्थान और सम्मान देने और दिलाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी ने किया है। देश में एकमात्र राजनीतिक दल भाजपा ने अपने सगठन में पदाधिकारी और कार्य समिति में 33 प्रतिशत का आरक्षण किया है। देश में सबसे पहले स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं को राजनीति की मुख्य धारा में जोड़ा। अब तो भाजपा की सरकार ने विधानसभा और लोकसभा में भी 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण महिलाओं के लिए किया है। साधारण नौकरियों से लेकर उच्च सेवा में भी महिलाओं को वरीयता दी जा रही है।

सबका साथ सबका विकास

विशेष कर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति भारत के कुछ राजनीतिक दलों की पहचान बन चुकी है। भारतीय जनता पार्टी सदा ही तुष्टिकरण किसी का नहीं सशक्तिकरण सबका, के लक्ष्य पर कार्य करती रही है। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वाले दलों ने भारत के समाज में बंटवारे की राजनीति की है। समाज में सद्भाव को बिगड़ा है। ऐसी राजनीति को परास्त करने के लिए भाजपा ने अपने संगठन तंत्र की शक्ति को जुटाया और जनमानस को जागृत किया। आज ऐसे दल लगातार राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर बेनकाब हो चुके हैं। जनता इन्हें नकार रही है। तीन तलाक और वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन से सामाजिक न्याय को बल मिला है।

दूसरी ओर जातिवाद की राजनीति करने वाले दल भी सत्ता से बाहर कर दिए गए हैं। लगातार समाज में फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने वाले दल षडयंत्र रचने में जुट हुए हैं। इन दलों की राजनीति को पराजित करना हमारी सबसे बड़ी चुनौती होनी चाहिए।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण

भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक राष्ट्रीयता में अपनी निष्ठा रखती है। एक दल के रूप में लगातार हमारी प्रतिबद्धता अपनी इस विचारधारा पर अडिग है। लगातार हमारी आस्था के मानदंडों की पुनर्स्थापना, सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं की स्थापना से भारत में सांस्कृतिक प्रादुर्भाव हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ में मान्यता मिली है। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ लोक, महाकाल महालोक से लेकर विभिन्न देवस्थानों का पुनर्निर्माण और विस्तार कार्य को आगे बढ़ाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी अब भारत केंद्रित बनी है। इसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों को यथा स्थान और सम्मान दिया गया है। भारत के महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों को बिना भेदभाव और पक्षपात किए गौरव प्रदान किया है। आजादी का यह अमृत काल सांस्कृतिक जागरण का काल बन गया है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण दिए जा सकते हैं।

विशेषकर हमारी जनजातीय संस्कृति के साथ भेदभाव किया जाता रहा। जनजातीय महापुरुषों, स्वतंत्रता आंदोलन के योद्धाओं को स्थान और सम्मान नहीं मिल पाया। भाजपा सरकारों में भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन हो हुआ तो टंट्या मामा, ख्वाजा नायक, भीमा नायक, रघुनाथ शाह, शंकर शाह आदि महापुरुषों के प्रेरक स्मारक बनाने के साथ उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संत रविदास का भव्य मंदिर मध्यप्रदेश में सागर के समीप बनाया जा रहा है। यह सभी महापुरुष हमारे समाज की प्रेरणा के केंद्र हैं। हमारा समाज मान सम्मान और स्वाभिमान इनके व्यक्तित्व से प्राप्त करता है।

17 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र के आठ जिलों में निःस्वार्थ भाव से समाज राष्ट्र की सेवा करने वाले को मीडिया ने अंधेरे में रखा

संतोष गंगेले
'कर्मयोगी'

छतरपुर। भारत देश में राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक सेवा एवं समाज में प्रतिभाओं को निकालने का काम करने वाली राष्ट्रीय संस्थानों के अनेक प्रमुख महापुरुषों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि वर्तमान में भारतीय संस्कृति संस्कारों नैतिक शिक्षा का पतन हो रहा है। ऐसे कठिन समय पर भारत देश में देश की सनातन संस्कृति का भी पतन करने का प्रयास हो रहा है जिस पर निःस्वार्थ भाव से काम करने वालें सामाजिक व्यक्तियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उचित स्थान नहीं मिल रहा है। प्रिंट मीडिया साथियों ने क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान विभिन्न प्रकार से सहयोग किया है लेकिन राष्ट्रीय समाचार पत्रों राष्ट्रीय चौनल तथा प्रादेशिक चौनल सामाजिक कार्यों को स्थान नहीं दे पा रही है जिसका ह्दय से अत्यंत दुख है। यदि बुंदेलखंड क्षेत्र के अनेक राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली पत्रकार मेरे सामाजिक कार्यों को समीक्षा करने के बाद उचित स्थान देते हैं तो बुंदेलखंड का राष्ट्रीय गौरव सम्मान नौगांव नगर को प्राप्त हो सकता है।

उपरोक्त विचार बुंदेलखंड क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर 2007 से जन्म भूमि ग्राम वीरपुर पोस्ट थाना तहसील नौगांव बुंदेलखंड जिला छतरपुर मध्य प्रदेश के रहने वाले संतोष गंगेले कर्मयोगी ने अपना आंतरिक दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि आज बुंदेलखंड क्षेत्र में उन्होंने 3000 से ज्यादा शिक्षण संस्थानों महाविद्यालय में सामाजिक कार्य किए हैं और 25 लाख से अधिक विद्यार्थियों से व्यक्तिगत संपर्क किया है जिस कारण से युवा वर्ग में उनकी पहचान है और समाज को वह दिशा बदलने में सफल हो रहे हैं लेकिन बुंदेलखंड क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने वाले ऐसे सैकड़ो व्यक्ति हैं जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया है लेकिन वह मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान नहीं बना सके।

समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी ने कहा कि समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयां एवं सामाजिक समरसता के लिए जीवन समर्पित करते हुए उन्होंने तन मन धन से समाज और राष्ट्र की सेवा की है जिस कारण से वह है प्रकृति द्वारा उन्हें निरोगी जीवन का उपहार मिला है लेकिन समाज में सामाजिक दर्पण के रूप में मीडिया कर्मचारियों को भी उनके जीवन के बारे में और कार्य करने की कर शैली को इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया में भी अपने कर्तव्यों के साथ स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें सामाजिक संस्थाओं द्वारा डेढ़ सौ से अधिक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं देश के राष्ट्रीय संत महात्मा महापुरुषों बुद्धिजीवी अधिवक्ता डॉक्टर और राजनेता समय-समय पर मनोबल बढ़ाते हैं लेकिन स्वतंत्र पत्रकारिता के माध्यम से निष्पक्ष समाचार यदि समाज में उनके सामाजिक कार्यों को स्थान दिया जाता है तो वह आज भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने के हकदार हो सकते हैं। वैसे तो वह महाविद्यालय अध्ययन के दौरान से ही समाज और राष्ट्र की सेवा साहित्य पत्रकारिता कविताओं के माध्यम से सामाजिक समरसता और युवाओं को आत्मविश्वास के साथ देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं लेकिन 17 वर्षों से स्वयं की बाइक से तन मन धन से राष्ट्र सेवा राष्ट्र भक्ति और देश सेवा में लगे हैं।

होमगार्ड की आवश्यकता डी.टी.सी. बस में नहीं थाने व ट्रैफिक पुलिस के साथ है

प्रमिला सिंह
दिल्ली।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस से कंधे से कन्धा मिलाकर चलने वाले दिल्ली होमगार्ड को केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार ने महिला सुरक्षा के लिए दिल्ली के डिटीसी बसों मे दिल्ली होमगार्ड के जवानो को बतौर मार्शल तैनात किये है मार्शल अपनी ड्यूटी पर पूर्ण रूप से तैनात है लेकिन अगर हम बात करें महिला सुरक्षा की तो महिलाओ को अधिक डर व परेशानी रास्ते पर चलने मे लगता है बाजारों, मे लगता है, गली मोहल्लो मे लगता क्योंकि अधिकतर छेड़ छाड़, स्नेचिंग छिनाझपटी गलियों व बाजारों मे होती है और दिल्ली के करीब 90% लोग सुबह और शाम इस भीषड़ गर्मी मे भयंकर ट्रेफिक जाम की समस्या को प्रतिदिन झेल रहे है जिसे दिल्ली होमगार्ड के जवान ट्रेफिक पुलिस की मदद से ये समस्या सुलझा सकते है बस मे तैनात ये होमगार्ड काफी एक्सस्पिरिन्स होल्डर है हम मानते है की 16 दिसम्बर 2012 को एक प्राइवेट बस मे एक लड़की के साथ कुछ लड़को ने मिलकर सामूहिक बलात्कार किया और उसे जान से मार दिया, जिसे निर्भया काण्ड के नाम से समाचार ने पूरी देश को झकझोर के रख दिया, उसके बाद राजनैतिक दल सरकारे व वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस पर तुरन्त ऐक्शन लिया, वही केजरीवाल जी को भी अपनी राजनीति मे उछाल मारने का एक मौका मिला और दिल्ली होमगार्ड के कुछ जवानो को बस मे मार्शल के रूप मे डिटीसी बसों मे तैनात कर दिया, जहां इनको कई कई महीनों तक अपनी सैलरी (भत्ता) का इन्तजार करना पड़ता है केजरीवाल जी को ये नहीं मालुम की पुलिस स्टाफ की काफी कमी होने के कारण आज भी दिल्ली मे तरह तरह के अपराध अपना पैर पसार रहे है, दिल्ली पुलिस कमीशनर ने होमगार्ड के अधिकारियों को कई बार पत्र लिख कर थाने के लिए होमगार्ड मुहैया कराने की मांग की परन्तु होमगार्ड की संख्या कम होने के कारण विभाग पुलिस को होमगार्ड नहीं दे पाया, अभी जल्द की भर्ती मे भी होमगार्ड की संख्या बहुत कम है जिसके कारण थानो मे होमगार्ड न होने के कारण पुलिस के कई काम अधूरे रह जाते है दिल्ली होमगार्ड को दिल्ली पुलिस के बहुत सारे कार्य के एक्सपीरियंस है जिससे पुलिस के काम मे काफी मदद मिल जाती है दिल्ली की जनता ने माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी से मांग है की इन पुराने व एक्सपीरियंस होल्डर होमगार्डो को डिटीसी से जल्द से जल्द थाने व ट्रेफिक मे स्थानानतरण किया जाये, और इनको उम्र साठ साल तक नौकरी करने का नियम लागू किया जाये जिससे दिल्ली की जनता को पुलिस व होमगार्ड से कुछ सहायता मिल सके

पंजीकृत कार्यालय
ए-104, मंडोली एक्सटेंशन,
चार खम्भे चौराहे के पास,
पूर्वी दिल्ली-110093
संपादकीय कार्यालय
म.नं.- 670, गली नं.-13,
मंडोली एक्सटेशन
उत्तर-पूर्वी दिल्ली-110093
फोन नं.: 9718344946,
8383052463
E-mail:
Boltikhabrenews@gmail.com
Website:
Boltikhabrenews.in
बोलती खबरें
RNI NO. : DELHIN/2004/13831

रेहड़ी पटरी वालों की समस्याओं को लेकर लिखा पत्र

नई दिल्ली। राजधानी में हॉकर्स के उजाड़ीकरण को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। पत्र में नेशनल हॉकर्स फेडरेशन ने मांग की है कि गरीब रेहड़ी-पटरी वालों को स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 एवं स्कीम 2019 व नियम 2017 के तहत रोजगार करने दिया जाए। साथ ही राजधानी के अंदर सर्वे का काम जल्द से जल्द शुरू किया जाए और नई टाउन वेंडिंग कमेटियों का गठन किया जाए।

नेशनल हॉकर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव शक्तिमान घोष पत्र में लिखा है कि उजाड़ीकरण को रोकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लिए गए लोन को नॉन परफर्मिग एसेट्स (एनपीए) होने से बचाया जाए। नेशनल हॉकर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव अनिल बक्शी ने कहा है कि अभी दिल्ली के अंदर व देश में हीट वेव से बचाव के लिए भी सरकार को कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए गरीब रेहड़ी पटरी वालों के लिए एक गाइड लाइन बनाई जाए एवं इनके स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य शिविर एवं इनके सामानों की रक्षा की जाए। श्री बक्शी ने आरोप लगाया कि राजधानी में देखा गया है कि दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस, दिल्ली नगर पालिका परिषद, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस गरीबों को तिरपाल लगाने से रोकती है। गर्मी में बढ़ते तापमान को देखते हुए सम्मानपूर्वक रोजगार करने दिया जाए।

अनिल बख्शी- राष्ट्रीय अध्यक्ष
राष्ट्रीय सचिव-
नेशनल हॉकर फेडरेशन

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक अरूण कुमार हरदैनिया द्वारा राधिका प्रिटंर्स, राजेन्द्र सिंह, 20/60, कृष्ण कुंज गली, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-110053 से मुद्रित कराकर, ए-104/4, मंडोली एक्सटेंशन, नियर चार खम्भा चौराहा, नन्द नगरी डिपो के सामने दिल्ली-110093 से प्रकाशित किया। (इस समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है।) समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र राजधानी दिल्ली ही होगा। E-mail : *Boltikhabrenews@gmail.com* फोन नं.:- 9718344946